VASISHTHA GENESIS SCHOOL, BARDOLI
(Academic Session 2025-26)

Date: ________ Class: 5 Div: A /C Roll No: ______ Sub: 2L Hindi
Name: ____________________________ Worksheet: 4

प्रश्न.1 दिए गए विषय पर अनुच्छेद लिखिए-

i. वृक्षारोपण

प्राचीन काल से ही वृक्ष मनुष्य के मित्र रहे हैं | वृक्षों से मनुष्य को अनेक लाभ होते हैं | वृक्षों की अधिकता लोगों के सुख, सौभाग्य और समृद्धि की निशानी मानी जाती है | हमारे देश में पिछले कई वर्षों से वृक्षों की अंधाधुंध कटाई होती रही है | इसके कारण आज बड़े-बड़े जंगल साफ हो गए हैं और वृक्षों की सघनता में बहुत कमी आ गई है | वृक्षों के अभाव से वर्षा की मात्रा कम हो गई है | अब ज्यादा से ज्यादा वृक्ष लगाने की कोशिश की जा रही है | नया वृक्ष लगाकर उसकी देखरेख करना किसी बच्चे को गोद लेकर उसका पालन-पोषण करने के बराबर है |वृक्षरोपण से अनेक लाभ होते हैं |वृक्षारोपण हमारा परम कर्तव्य है | वृक्ष लगाकर हम अपनी और समाज की सेवा करते हैं |वृक्षारोपण को प्राणी-जीवन को स्वस्थ, सुंदर और सुखमय बनाया जा सकता है |वृक्ष हमारे जीवन की प्रथम आवश्यकता है | इसलिए प्रति वर्ष वृक्षारोपण को हमें एक महोत्सव के रूप में मनाकर प्रकृति का आशीर्वाद पाना चाहिए |

ii. **जल ही जीवन है (जल संरक्षण)**

जल भगवान के द्वारा हम इंसानों को दिया गया एक बहुत ही बहुमूल्य उपहार है | जल किस प्रकार से हर मनुष्य के लिए जरूरी है उसी तरह से पृथ्वी पर रहने वाले हर प्राणी मात्र जीव जंतु ,पेड़-पौधों के लिए भी जल इतना ही महत्वपूर्ण है | हमारा शारीर पंच तत्वों से बना है उनमें से एक तत्व जल है | हमारा शरीर का आधे से ज्यादा वजन पानी से बना हुआ है | बिना पानी के फसल पैदा करना भी मुश्किल होता है | अगर फसलों को नियमित रूप से पानी नहीं मिला तो पैदावार सही ढंग से नहीं कर पाओगे | इसलिए जल का महत्व कहीं न कहीं हर जगह होना जरूरी है | जैसा की हम सब जानते हैं की पानी की मात्रा बहुत ही सिमित है लेकिन इसके बावजूद जल का प्रदूषण लगातार हो रहा है | नदियाँ,तालाब,झील,यहाँ तक की भूमिगत जल भी अब दूषित होने लगे हैं | इसलिए जल संरक्षण हम सब की जिम्मेदारी है |

iii. स्वच्छ भारत : स्वस्थ भारत

गांधी जी कहते थे- "स्वच्छता में ईश्वर वास (रहना) करते हैं। आजकल हमारे प्रधानमंत्री जी इस बात को सच साबित करने के लिए भारतीयों से अपील कर रहे हैं। दुर्भाग्य की बात है कि हमारा देश दुनिया के सबसे गंदे देशों में से एक माना जाता है। अपनी कार का कचरा हम सड़क पर फेंकने में ज़रा भी नहीं हिचकते। स्कूल बस में से पानी की बोतल, चिप्स के खाली पैकेट फेंकना तो हमारी आदत में शामिल है। कुछ लोग तो अपने घर की सफ़ाई करके सारा कूड़ा सड़क पर ही फेंक देते हैं। इससे गंदगी फैलती है और गंदगी में मच्छर-मक्खियाँ पनपते हैं। ये मच्छर-मक्खियाँ कई रोगों जैसे- डेंगू, मलेरिया, डायरिया, टाइफ़ाइड जैसी बीमारियों को फैलाते हैं। बीमार होने पर लोग कुछ काम भी नहीं कर पाते। इससे उन्हें आर्थिक नुकसान तो होता ही है, कई बार वे किडनी, लिवर व हृदय की खतरनाक और जानलेवा बीमारियों का शिकार भी बन जाते हैं। यदि हम अपनी गली, सड़क और मोहल्ला साफ़ रखेंगे तो पूरे शहर के साथ पूरा देश भी स्वच्छ हो जाएगा। स्वच्छता रहेगी तो स्वास्थ्य भी ठीक रहेगा। स्वस्थ व्यक्ति परिवार के साथ-साथ देश की उन्नति में भी सहायक होता है। आओ, वादा करें कि हम खुद भी स्वच्छ रहेंगे और अपने आसपास के वातावरण को भी स्वच्छ रखेंगे जिससे हमारा शरीर भी स्वस्थ रहे; क्योंकि कहते हैं- स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मन का निवास होता है।